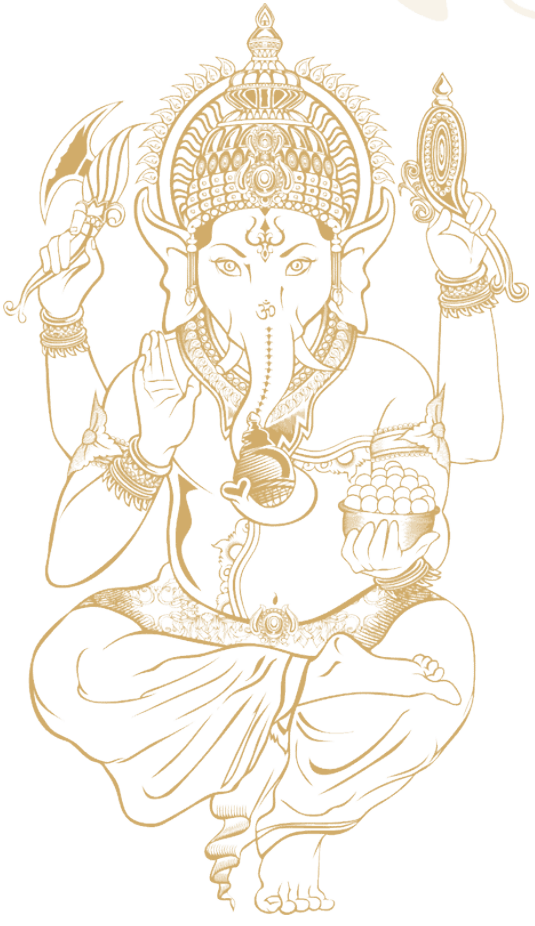

Pramod bhati

31 Aug 2003

04:20 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121647902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-31/08/2003**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	55:09:23 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:42:32 घंटे
वेलान्तर	-00:00:48 घंटे
साम्पातिक काल	02:17:24 घंटे
सूर्योदय	06:16:14 घंटे
सूर्यास्त	18:59:44 घंटे
दिनमान	12:43:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:14:41 सिंह
लग्न के अंश	16:57:26 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:57:26	311:31:07	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			सिंह	13:14:41	00:58:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	25:50:49	14:19:51	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	10:31:46	00:15:52	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	02:08:23	00:14:13	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु		अ	सिंह	06:52:13	00:13:03	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	16:35:24	01:14:25	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	16:37:00	00:05:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	29:35:21	00:04:31	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	29:35:21	00:04:31	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:40:30	00:02:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:11:45	00:01:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:19:54	00:00:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	12:46:27	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:16

लग्न-चलित

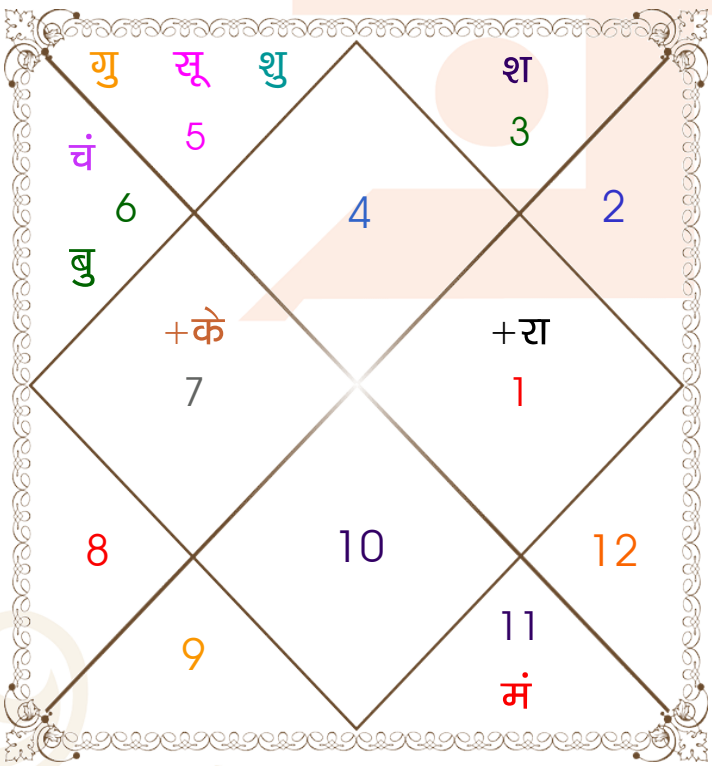

चन्द्र कुंडली

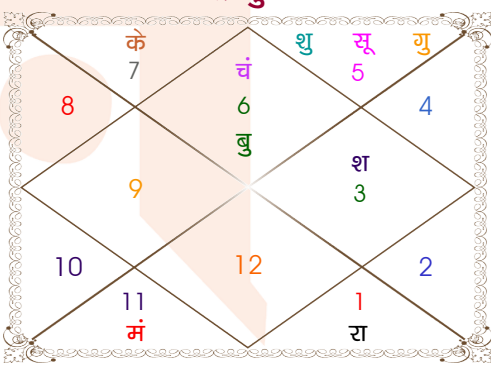

नवमांश कुंडली

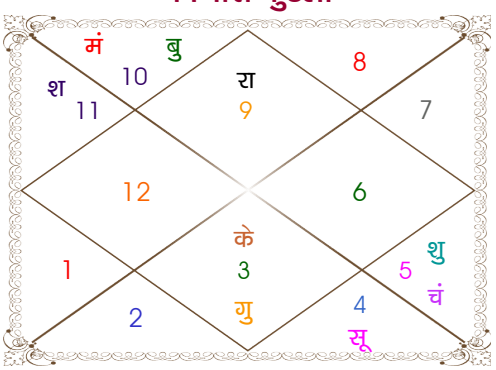

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 8 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
31/08/2003		05/05/2009		06/05/2027		06/05/2043		06/05/2062	
05/05/2009		06/05/2027		06/05/2043		06/05/2062		06/05/2079	
	31/08/2003	राहु	17/01/2012	गुरु	23/06/2029	शनि	09/05/2046	बुध	01/10/2064
राहु	20/10/2003	गुरु	11/06/2014	शनि	04/01/2032	बुध	16/01/2049	केतु	29/09/2065
गुरु	25/09/2004	शनि	17/04/2017	बुध	11/04/2034	केतु	25/02/2050	शुक्र	29/07/2068
शनि	04/11/2005	बुध	05/11/2019	केतु	18/03/2035	शुक्र	26/04/2053	सूर्य	05/06/2069
बुध	01/11/2006	केतु	22/11/2020	शुक्र	16/11/2037	सूर्य	08/04/2054	चंद्र	04/11/2070
केतु	30/03/2007	शुक्र	23/11/2023	सूर्य	04/09/2038	चंद्र	08/11/2055	मंगल	01/11/2071
शुक्र	30/05/2008	सूर्य	17/10/2024	चंद्र	04/01/2040	मंगल	16/12/2056	राहु	21/05/2074
सूर्य	04/10/2008	चंद्र	17/04/2026	मंगल	10/12/2040	राहु	23/10/2059	गुरु	26/08/2076
चंद्र	05/05/2009	मंगल	06/05/2027	राहु	06/05/2043	गुरु	06/05/2062	शनि	06/05/2079

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/05/2079		06/05/2086		07/05/2106		06/05/2112		07/05/2122	
06/05/2086		07/05/2106		06/05/2112		07/05/2122		00/00/0000	
केतु	02/10/2079	शुक्र	04/09/2089	सूर्य	24/08/2106	चंद्र	07/03/2113	मंगल	03/10/2122
शुक्र	01/12/2080	सूर्य	04/09/2090	चंद्र	23/02/2107	मंगल	06/10/2113	राहु	01/09/2123
सूर्य	08/04/2081	चंद्र	05/05/2092	मंगल	01/07/2107	राहु	06/04/2115		00/00/0000
चंद्र	07/11/2081	मंगल	05/07/2093	राहु	24/05/2108	गुरु	05/08/2116		00/00/0000
मंगल	05/04/2082	राहु	05/07/2096	गुरु	13/03/2109	शनि	07/03/2118		00/00/0000
राहु	24/04/2083	गुरु	06/03/2099	शनि	23/02/2110	बुध	06/08/2119		00/00/0000
गुरु	30/03/2084	शनि	07/05/2102	बुध	30/12/2110	केतु	06/03/2120		00/00/0000
शनि	08/05/2085	बुध	07/03/2105	केतु	07/05/2111	शुक्र	05/11/2121		00/00/0000
बुध	06/05/2086	केतु	07/05/2106	शुक्र	06/05/2112	सूर्य	07/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 8 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।